MADHY PRADESH STATE AIDS CONTROL SOCIETY

JOIN HANDS TO STOP AIDS CAMPAIGN

(Human Chain Formation for HIV-AIDS Awareness)

On 12 SEPTEMBER 2017

A BRIEF REPORT

The M.P State AIDS Control Society, Department of Public Health & Family Welfare, Govt. of M.P organized a campaign **" Joint Hands to Stop AIDS"** to spread awareness regarding HIV-AIDS among the people on 12th September 2017. The Highlight of this awareness campaign was formation of a 3 KM long Human Chain formation by more than 4000 representatives of various various educational institutes, professional training colleges, Targetted Intervention NGOs , Lions, Rotary club ,Red Cross Society, Chambers of Commerce, Positive Network etc. A huge human chain was formed at the picturesque location of VIP Road, on the bank of Bhopal Lake.

As the Chief Guest of the program, Honorable Minister for Public Health and Family Welfare Shri Rustam Singh flagged off and inaugurated the Human Chain. During the Inaugural Session, Honorable Minister said that due to the effective strategies and efforts made by Madhya Pradesh State AIDS Control Society the

infection rate of HIV infection is reduced in the State. He emphasized on importance of awareness in controlling infections like HIV-AIDS . He has made appeal to the youth to be aware and to support the awareness generation among general population as well. He said that youth can play an important role in controlling not only HIV-AIDS but the infections like Swine Flu as well. He also requested Media to maximize their support in creating awareness about the various health issues because nowadays Media is very powerful in terms of spreading messages and to create awareness about various issues among the masses. He viewed the Human Chain and he joined hand with various groups of participants. He appreciated the effort made by MPSACS and personally congratulated to the team of MPSACS for their sensible and effective work.

The participants were equipped with hand outs and banners displaying slogans and messages about HIV-AIDS Awareness and to Stop Stigma and Discrimination related to HIV-AIDS which generally happens by lack of awareness. Advocacy to stop Stigma and Discrimination towards People Living with HIV AIDS is also done through this activity. Boards, flexes and big cutouts of Red Ribbons were

also displayed on the program venue which attracted attention of local population An IEC van was also prepared by TI Team with the support of LIC India.

Folk Troupes and magicians performed interesting shows to create awareness. IEC material is distributed to the participants and community as well.

Other Dignitaries like Commissioner Health Dr. Pallavi Jain Govil, Project Director MPSACS Mr. Umesh Kumar, National Director of NSS & IPS Mr. Veerendra Mishra, D.G.Police, Famous Film Actor and Director Mr. Rajeev Verma, Dr. R.K. Vijay Deputy Secretary and State Head of NSS, Department of Higher Education, Dr. Samadhiya Director NYKS, Dr. Prakash Disoriya State Secretary of Bharat Scout and Guide were also present on the occasion.

Vote of Thanks is given by Mrs Savita Thakur, Joint Director IEC. All Senior Officers Namely Joint Director Dr. U.C.Yadav, Joint Director Shri Rajesh Agrawal, Deputy Director Dr. Ankita Patil, Deputy Director Dr. T.D. Bhakoria, Deputy Director Mrs. Sunila Sharma Raja, Deputy Director Prashant Malaiya and all staff members of MPSACS and Team Leader TSU Mr. Mahendra Pancholi along with all Project Officers were also present in the program.

Pre publicity of the campaign was also done by press releases, information through various institutes and display on main squares of the city. Media representatives including print and electronic both were also present in remarkable number for coverage of the program and provided their valuable support in great media coverage of the program to generate awareness on a massive scale.

Glimpses of Print Media Coverage

4000 से अधिक लोगों ने बनाई एड्स जागरूकता के लिए भव्य मानव श्रृंखला

स्वास्थ्य मंत्री रुस्तम सिंह सहित अधिकारी हुए शामिल

जहां तक नजरें पहुंची वहां लोग एक दूसरे का हाथ थामे दिखें

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी की व्हीआईपी सड़क पर मंगलवार सुबह का नजारा अलग था, जहां तक भी नजरें पहुंची वहां लोग एक दूसरे का हाथ थामे उत्साह से खड़ नजर आ रहे थे। इसमें मंत्री, आइएएस, पुलिस अफसर और आम लोग शामिल थे। यहां से निकलने वाले राहगीरों की नजरें बरबस ही हाथ थामें खड़े इन लोगों पर टिक रही थी, रूक- रूक कर लोग पहुंचते रहे कि इतने लोग एक दूसरे का हाथ थामे क्यों खड़े है, उन्हें बताया कि एचआईवी,एड्स के प्रति लोगों में जागरूगता के लिए मानव मानव श्रृंखला बनाई गई है।

दरअसल, 12 सितंबर को मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा वीआईपी रोड पर मानव श्रंखला बनाने की अपील विद्यार्थियों और आम लोगों से की गई थी। सुबह 8 बजे से वीआईपी रोड स्थित गौहर महल के नजदीक लोग एकात्रित होना शुरू होग गए , देखते- देखते तीन हजार से अधिक लोग यहा पहुंचे और एक दूसरे का हाथ पकड़ का मानव श्रंखला बनाई। इसमें विद्यार्थियों के अलावा प्रशासनिक और पुलिस के अधिकारी, समाजसेवी, संस्था संचालक एंव आम लोग ने अपनी अहम भूमिका निभाई। इससे पहले स्वाथ्य मंत्री रुस्तम सिंह हरी झंडी दिखाकर मानव श्रृंखला निर्माण का शुभारम्भ किया। मानव श्रृंखला निर्माण में लगभग 4000 युवाओं एवं विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भागीदारी की तथा डॉ. शंकर दयाल शर्मा पार्क से भव्य मानव श्रंखला बनाई। बोर्ड्स एवं बैनर्स के माध्यम से एचआईवी-एड्स जागरूकता का संदेश प्रदर्शित किये गए। छूमंतर मैजिक पार्टी द्वारा जादू के रोचक खेलों के माध्यम से तथा लोक कला दलों द्वारा लोक नाटको के माध्यम से एचआईवी-एड्स जागरूकता के संदेश दिए गए।

जागरूकता ही बचाव का सबसे महत्वपूर्ण उपाय - स्वाथ्य मंत्री रुस्तम सिंह

मानव श्रृंखला निर्माण का शुभारम्भ कार्यक्रम में स्वाथ्य मंत्री रुस्तम सिंह ने कहा कि एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता ही बचाव का सबसे महत्वपूर्ण उपाय है, मध्यप्रदेश देश के कई अन्य राज्यों की तुलना में एचआईवी-एड्स की दृष्टि से कम प्रभावित राज्यों की श्रेणी में है। समाज के सभी वर्गों का सहयोग और लोगों की जागरूकता एचआईवी संक्रमण की रोकथाम के लिए जरूरी है। युवाओं से यह अपेक्षा है की वे स्वंय जागरूक हों तथा जन सामान्य को जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में एचआईवी की जांच की निशुल्क परामर्श एवं जांच सेवा उपलब्ध है। इसके साथ ही जो लोग एचआईवी संक्रमित हैं उन सभी को एआरटी केन्द्रों के माध्यम से नि:शुल्क उपचार प्रदान किया जा रहा है।

यह हुए शामिल

इस कार्यक्रम में आयुक्त स्वास्थ्य डॉ. पल्लवी जैन गोविल, परियोजना संचालक उमेश कुमार, डायरेक्टर राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार रवीन्द्र कुमार मिश्रा, अपर संचालक डॉ. के.के ठस्सू, संयुक्त परियोजना संचालक सविता ठाकुर, उपसचिव एवं एनएसएस स्टेट ऑफिसर डॉ. आरके विजय, नेहरू युवा केंद्र के डॉ. समाधिया, डॉ. मरवाल रीजनल डायरेक्टर एनएसएस भारत सरकार, डॉ. अनंत सक्सेना, राहुल सिंह परिवार एवं स्वास्थ्य विभाग एवं समिति के विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

पीपुल्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं रिसर्च सेंटर के बीएससी नर्सिंग के चतुर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने एड्स जागरुकता पर 'ज्वॉइंट हैंड टू स्टॉप एड्स' रैली में सहभागिता की।

एड्स के लक्षण, बचाव के बताए तरीके

पीपुल्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं रिसर्च सेंटर ने निकाली रैली

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
editor@peoplessamachar.co.in

पीपुल्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं रिसर्च सेंटर के बीएससी नर्सिंग चुतर्थ वर्ष के छात्र-छात्राओं ने 'ज्वॉइंट हैंड टू स्टॉप एड्स' रैली में भाग लिया। रैली मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति ने आयोजित की।

रैली की थीम ज्वाइंट हैंड टू स्टॉप एड्स रही। इस रैली में मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रुस्तम सिंह रहे। रैली सुबह 8 बजे गौहर महल से वीआईपी चौराहा तक निकाली। रैली में छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया तथा अन्य संस्थाओं को भी मिलाकर लगभग 5000 लोग शामिल हुए। उन्होंने एड्स के प्रति जागरूक रहने का स्लोगन दिया। सभी विद्यार्थियो को कॉलेज की प्राचार्या डॉ. करेश प्रसाद ने रैली में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया तथा बधाई दी एवं एड्स की समस्या के निवारण पर उद्बोधन दिया। इससे छात्र-छात्राओं को एड्स के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिली। कॉलेज स्टॉफ शीतल दास असिसटेंट प्रो. एवं मनीष ट्यूटर भी रैली में सम्मलित हुए।

प्रदेश में कम हुए एचआईवी-एड्स के रोगी

एड्स नियंत्रण समिति ने बनाई मानव श्रृंखला

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
editor@peoplessamachar.co.in

राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सक्रिय प्रवासों से प्रदेश में एचआईवी एड्स प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है।

वर्ष 2005 में एड्स के 11.45 प्रतिशत प्रकरण के मुकाबले 2017 (जुलाई) में यह प्रतिशत घटकर मात्र 0.43 रह गया, जो देश के औसत से भी कम है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रुस्तम सिंह ने यह बात मंगलवार को एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित अभियान 'ज्वॉइन हैंड्स टू स्टॉप एड्स' मानव श्रृंखला को हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ करते हुए कही। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. पल्लवी जैन गोविल, राज्य एड्स नियंत्रण समिति के मिशन संचालक उमेश कुमार, संचालक डॉ. के. के. ठस्सू और ब्रॉन्ड एम्बेस्डर राजीव वर्मा भी मौजूद थे।

भ्रांतियों को दूर करें

स्वास्थ्य मंत्री ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं से कहा कि घर, परिवार और समाज में एचआईवी-एड्स के बारे में भ्रांति दूर करने में मदद करें। यह छूत की बीमारी नहीं है। मरीज में गलत खून चढ़ने, प्रदूषित इंजेक्शन लगाने, एड्स ग्रसित व्यक्ति से संबंध बनाने से ही फैलती है। चिकित्सक खून चढ़ाने और इंजेक्शन लगाने में पूरी सावधानी बरत रहे हैं। इससे भी मरीजों की संख्या कम हुई है।

मानव श्रृंखला बना लोगों को किया एड्स के प्रति जागरुक

भोपाल। एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वाधान में मानव श्रंखला बनाई गई। वीआईपी रोड पर गौहर महल से राजा भोज की मूर्ति तक मानव श्रंखला बनाने के लिए राजधानी के 4000 लोगों ने हिस्सा लिया। मानव श्रंखला का संचालन संयुक्त संचालक राज्य एड्स नियंत्रण समिति की सविता ठाकुर ने किया। इनमें एनएसएस, एनसीसी, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, किन्नर, जादूगर, स्वैच्छिक संगठन, शासकीय विभाग और आम लोग शामिल हुए। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रुस्तम सिंह ने कहा कि एचआईवी एड्स प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2005 में एड्स के 11.45 प्रतिशत प्रकरण के मुकाबले वर्ष 2017 (जुलाई) में यह प्रतिशत घटकर मात्र 0.43 रह गया है, जो देश के औसत से भी कम है। ज्वाइन हैंड्स टू स्टॉप एड्स मानव श्रंखला को हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि लोग घर, परिवार और समाज में एचआईवी एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांतियों को दूर करने में मदद करें। यह छूत की बीमारी नहीं है।

एड्स जैसी बीमारियों से सबको मिलकर लड़ना होगा: स्वास्थ्य मंत्री

एड्स जागरुकता के लिए बनी 2 किमी विशाल श्रंखला

शाम तक, भोपाल। राजधानी में किसी जानलेवा बीमारी की जागरुकता के लिए इतनी विशाल लम्बी मानव श्रृंखला पहली बार देखने को मिली। आज सुबह से ही वीआईपी रोड पर स्कूल, कालेज के विद्यार्थी, सेना, पुलिस के जवान राजधानी के सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता अनेक शासकीय विभाग के कर्मचारी-अधिकारियों का पहुंचना शुरु हो गया था। यह आयोजन स्वास्थ्य विभाग की राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वाधान में आयोजित था।

आयोजित मानव श्रृंखला का स्वास्थ्य मंत्री रुस्तम सिंह ने हरी झंडी लहराकर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर एड्स समिति द्वारा एड्स जागरुकता के लिए तैयार किए गए नुक्कड़ नाटक संस्थाओं के कलाकार भी रंग बिरंगी भेष-भूषा में आकर्षण का केन्द्र बने हुए थे। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में एड्स स्वाइन फ्लू, डेंगू जैसी बीमारियों से सभी लोगों से मिलजुल कर लड़ने का आह्वान किया।

रुस्तम सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश में एड्स जागरुकता के लिए और तेजी से प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव गौरी सिंह, डा. टस्सू विशेष रुप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए एड्स नियंत्रण समिति की संयुक्त संचालक सविता ठाकुर ने बताया कि शीघ्र ही संपूर्ण प्रदेश में एड्स जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए टीमों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

D.B. POST

SPREADING AWARENESS TO FIGHT AIDS MENACE

Human chain organised by AIDS Control Committee on VIP Road to spread awareness —Dilip Chouksey

Star Samachar New Paper

अभियान

स्वास्थ्य मंत्री रुस्तम सिंह ने किया मानव श्रंखला का शुभारंभ

प्रदेश में हो रहे सराहनीय प्रयासों से एचआईवी प्रकरणों में आई गिरावट

» टीकमगढ़ की घटना पर चिकित्सक को दिया नोटिस

स्टार समाचार | भोपाल

राज्य एड्स नियंत्रण समिति के प्रयासों से प्रदेश में एचआईवी/एड्स प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2005 में एड्स के 11.45 प्रतिशत प्रकरण के मुकाबले वर्ष 2017 (जुलाई) में यह प्रतिशत घटकर मात्र 0.43 रह गया है, जो देश के औसत से भी कम है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रुस्तम सिंह ने यह बात मंगलवार को एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित अभियान 'ज्वाइन हैंड्स टू स्टॉप एड्स' मानव श्रंखला को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए कही। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. पल्लवी जैन गोविल, मिशन संचालक राज्य एड्स नियंत्रण समिति उमेश कुमार, संचालक डॉ. केके ठस्सू और ब्रॉन्ड एम्बेसडर राजीव वर्मा भी मौजूद थे।

एचआईवी की भ्रांतियां को करें दूर स्वास्थ्य मंत्री ने श्रंखला में भाग ले रहे छात्र-छात्राओं से कहा कि वे घर, परिवार और समाज में एचआईवी/एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांति को दूर करने में मदद करें। यह छुत की बीमारी नहीं है। मरीज में गलत खून चढ़ने, प्रदूषित इंजेक्शन के इस्तेमाल और एड्स ग्रसित व्यक्ति से संबंध बनाने से ही फैलती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के चिकित्सक खून चढ़ाने और इंजेक्शन लगाने में पूरी सावधानी बरत रहे हैं। इससे भी एड्स के मरीजों की संख्या में काफी कमी आई है। सिंह ने हाल ही में टीकमगढ़ अस्पताल में महिला के साथ हुई घटना पर क्षोभ प्रकट करते हुए कहा कि संबंधित नर्सों को निलंबित कर चिकित्सक को शोकाज नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि शासन की कोशिश है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

स्वाइन फ्लू के प्रति बरतें सतर्कता

स्वास्थ्य मंत्री ने एक बार फिर लोगों से स्वाइन फ्लू के प्रति सतर्कता बरतने की अपील की। सिंह ने कहा प्रदेश के अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के इलाज से संबंधित उपकरणों और दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था है। राज्य संभाग स्तर पर निरंतर दैनिक समीक्षा की जा रही है। स्वाइन फ्लू से बचाव ही उपचार है। अगर ऐहतियात बरता गया तो स्वाइन फ्लू जानलेवा नहीं है। प्रदेश में सैकड़ों मरीज ठीक हुए हैं, लेकिन यदि मरीज स्वाइन फ्लू के पूरी वॉपट में आ जाने के बाद काफी विलम्ब से डॉक्टर के पास पहुंचता है तो वह भी मदद करने में असमर्थ रहता है। स्वाइन फ्लू बिगड़ जाने पर फेफड़े काम करना बंद कर देते हैं और रोगी की मृत्यु हो जाती है। अगर सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार, तेज सिरदर्द और सांस लेने में परेशानी हो तो चिकित्सक से अवश्य सलाह लें। राज्य शासन ने सरकारी अस्पतालों के अलावा प्रदेश के 66 निजी अस्पताल भी स्वाइन फ्लू उपचार के लिए चिन्हित कि हैं। संचालन संयुक्त संचालक राज्य एड्स नियंत्रण समिति सविता ठाकुर ने किया। मानव श्रंखला में लक्ष्य 2000 के विरुद्ध लगभग 4000 लोगों ने भाग लिया।

L.N. Star News Paper

प्रदेश में एचआईवी प्रतिशत में आई उल्लेखनीय गिरावट

स्वास्थ्य मंत्री ने किया मानव श्रृंखला का शुभारंभ

एलएन स्टार, भोपाल

राज्य एड्स नियंत्रण समिति के प्रयासों से प्रदेश में एचआईवी/एड्स प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2005 में एड्स के 11.45 प्रतिशत प्रकरण के मुकाबले वर्ष 2017 (जुलाई) में यह प्रतिशत घटकर मात्र 0.43 रह गया है, जो देश के औसत से भी कम है।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रुस्तम सिंह ने यह बात आज एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित अभियान 'ज्वाइन हैंड्स टू स्टॉप एड्स' मानव श्रृंखला का हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ करते हुए कही। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. पल्लवी जैन गोविल, मिशन संचालक राज्य एड्स नियंत्रण समिति उमेश कुमार, संचालक डॉ. केके ठस्सू और ब्रॉन्ड एम्बेस्डर राजीव वर्मा भी मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री ने श्रृंखला में भाग ले रहे छात्र-छात्राओं से कहा कि वे घर, परिवार और समाज में एचआईवी/एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांति को दूर करने में मदद करें। यह छूत की बीमारी नहीं है। मरीज में गलत खून चढ़ने, प्रदूषित इंजेक्शन के इस्तेमाल और एड्स ग्रसित व्यक्ति से संबंध बनाने से ही फैलती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के चिकित्सक खून चढ़ाने और इंजेक्शन लगाने में पूरी सावधानी बरत रहे हैं। इससे भी एड्स के मरीजों की संख्या में काफी कमी आई है। श्री सिंह ने हाल ही में टीकमगढ़ अस्पताल में महिला के साथ हुई घटना पर क्षोभ प्रकट करते हुए कहा कि संबंधित नर्सों को निलम्बित कर चिकित्सक को शो-काज नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि शासन की कोशिश है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

स्वाइन फ्लू से घबराएं नहीं ऐहतियात बरतें

स्वास्थ्य मंत्री ने एक बार फिर लोगों से स्वाइन फ्लू के प्रति सतर्कता बरतने की अपील की। श्री सिंह ने कहा प्रदेश के अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के इलाज से संबंधित उपकरणों और दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था है। राज्य-संभाग स्तर पर निरंतर दैनिक समीक्षा की जा रही है। स्वाइन फ्लू से बचाव ही उपचार है। अगर ऐहतियात बरता गया तो स्वाइन फ्लू जानलेवा नहीं है। प्रदेश में सैकड़ों मरीज ठीक हुए हैं। लेकिन यदि मरीज स्वाइन फ्लू के पूरी चपेट में आ जाने के बाद काफी विलम्ब से डाक्टर के पास पहुंचता है तो वह भी मदद करने में असमर्थ रहता है। स्वाइन फ्लू बिगड़ जाने पर फेफड़े काम करना बंद कर देते हैं और रोगी की मृत्यु हो जाती है। अतः लोग सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार, तेज सिरदर्द और सांस लेने में परेशानी हो, तो चिकित्सक से अवश्य सलाह लें। अस्पतालों के अलावा प्रदेश के 66 निजी अस्पताल भी स्वाइन फ्लू उपचार के लिये चिन्हित किये हैं।

संचालन संयुक्त संचालक राज्य एड्स नियंत्रण समिति श्रीमती सविता ठाकुर ने किया। मानव श्रृंखला में लक्ष्य 2000 के विरुद्ध लगभग 4000 लोगों ने भाग लिया। इनमें एनएसएस, एनसीसी, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, किन्नर, जादूगर, स्वैच्छिक संगठन, शासकीय विभाग और आम लोग शामिल हैं।

तनातनी — सरकार ने भेजा कई बार नोटिस, नहीं दिया जवाब

एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना

---

12 सितंबर

एड्स जागरूकता के लिए वीआईपी रोड पर बनाई एक किमी लंबी मानव श्रृंखला

'एचआईवी/एड्स संक्रमित लोगों से भेदभाव न करें'

फैक्ट फाइल

प्रदेश में अब तक एचआईवी पॉजीटिव
43959

अब तक एआरटी सेंटर में पंजीकृत
32738

एचआईवी/एड्स से अब तक मौत

STUDENTS TAKE LEAD IN AIDS AWARENESS

Students and members of social organizations take part in an AIDS awareness rally organized by Madhya Pradesh State AIDS Control Society at VIP Road on Tuesday

HIV-एड्स पीड़ितों से भेदभाव मिटाने मानव श्रृंखला

भोपाल। एचआईवी-एड्स के प्रति लोगों में जागरूकता को लेकर आज वीआईपी रोड स्थित मानव श्रृंखला बनाई गई। मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम का मकसद जनसामान्य को एचआईवी के साथ जीवन व्यतीत कर रहे व्यक्तियों के प्रति भेदभाव समाप्त करना और सकारात्मक वातावरण के निर्माण का संदेश देना है। इस मौके पर लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रुस्तम सिंह, प्रमुख सचिव गौरी सिंह, कमिश्नर पल्लवी जैन गोविल, हेल्थ सेक्रेटरी कवीन्द्र कियावत, फिल्म अभिनेता राजीव वर्मा, मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना संचालक उमेश कुमार, संयुक्त संचालक आईईसी सविता ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित हुए।

एचआईवी संक्रमण की रोकथाम के लिए जागरुकता जरूरी : मंत्री रुस्तम सिंह

4000 से अधिक लोगों ने बनाई मानव श्रृंखला

भोपाल। समाज के सभी वर्गों का सहयोग और लोगों की जागरुकता एचआईवी संक्रमण की रोकथाम के लिए जरूरी है। युवाओं से यह अपेक्षा है की वे स्वयं जागरुक हों तथा जन सामान्य को जागरुक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। स्वाथ्य मंत्री रुस्तम सिंह ने मप्र राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा वीआईपी रोड पर भव्य मानव श्रृंखला कार्यक्रम के उद्घाटन पर यह विचार दिए। उन्होंने कहा कि एचआईवी-एड्स के प्रति जागरुकता ही उससे बचाव का सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। मप्र देश के कई अन्य राज्यों की तुलना में एचआईवी-एड्स की दृष्टि से कम प्रभावित राज्यों की श्रेणी में है। इस दौरान उन्होंने हरी झंडी दिखाकर मानव श्रृंखला निर्माण का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में लगभग 4000 युवाओं एवं विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जिन्होंने डॉ. शंकर दयाल शर्मा पार्क से राजभोज प्रतिमा के आगे तक तक भव्य मानव श्रंखला बनाई गई। इस दौरान बोर्ड्स एवं बैनर्स के माध्यम से एचआईवी-एड्स जागरुकता के लिए संदेश प्रदर्शित किए गए। वहीं छूमंतर मैजिक पार्टी द्वारा जादू के विभिन्न रोचक खेलों के माध्यम से तथा लोक कला दलों द्वारा लोक नाटकों के माध्यम से एचआईवी-एड्स जागरुकता का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में आयुक्त स्वास्थ्य डॉ. पल्लवी जैन गोविल, परियोजना संचालक उमेश कुमार, डायरेक्टर राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार रवींद्र कुमार मिश्रा, अपर संचालक डॉ. केके ठस्सू आदि मौजूद थे।

13 Sep 2017

समय जगत 12

प्रादेशिक खबरें

मानव श्रृंखला कार्यक्रम का शुभारम्भ

भोपाल। स्वास्थ्य मंत्री रुस्तम सिंह ने एच.आई.वी. एड्स जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

लोकदेश

भोपाल, बुधवार 13 सितम्बर 2017 02

आयोजन | स्वास्थ्य मंत्री रुस्तम सिंह ने किया मानव श्रंखला का शुभारंभ

प्रदेश में एचआईवी प्रतिशत में आई गिरावट

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

राज्य एड्स नियंत्रण समिति के प्रयासों से प्रदेश में एचआईवी एड्स प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2005 में एड्स के 11.45 प्रतिशत प्रकरण के मुकाबले वर्ष 2017 (जुलाई) में यह प्रतिशत घटकर मात्र 0.43 रह गया है, जो देश के औसत से भी कम है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री रुस्तम सिंह ने यह बात मंगलवार एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित अभियान 'ज्वाइन हैंड्स टू स्टॉप एड्स' मानव श्रंखला का हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ करते हुए कही। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. पल्लवी जैन गोविल, मिशन संचालक राज्य एड्स नियंत्रण समिति उमेश कुमार, संचालक डॉ. केके ठस्सू और ब्रॉन्ड एम्बेस्डर राजीव वर्मा भी मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री ने श्रंखला में भाग ले रहे छात्र-छात्राओं से कहा कि वे घर, परिवार और समाज में एचआईवी, एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांति को दूर करने में मदद करें। यह छूत की बीमारी नहीं है। मरीज में गलत खून चढ़ने, प्रदूषित इंजेक्शन के इस्तेमाल और एड्स ग्रसित व्यक्ति से संबंध बनाने से ही फैलती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के चिकित्सक खून चढ़ाने और इंजेक्शन लगाने में पूरी सावधानी बरत रहे हैं। इससे भी एड्स के मरीजों की संख्या में काफी कमी आई है।

एड्स छूत की बीमारी नहीं

सिंह ने हाल ही में टीकमगढ़ अस्पताल में महिला के साथ हुई घटना पर क्षोभ प्रकट करते हुए कहा कि संबंधित नर्सों को निलम्बित कर चिकित्सक को शो-काज नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि शासन की कोशिश है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। स्वास्थ्य मंत्री ने एक बार फिर लोगों से स्वाइन फ्लू के प्रति सतर्कता बरतने की अपील की। सिंह ने कहा प्रदेश के अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के इलाज से संबंधित उपकरणों और दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था है। राज्य- संभाग स्तर पर निरंतर दैनिक समीक्षा की जा रही है। स्वाइन फ्लू से बचाव ही उपचार है। अगर ऐहतियात बरता गया तो स्वाइन फ्लू जानलेवा नहीं है। प्रदेश में सैकड़ों मरीज ठीक हुए हैं। लेकिन यदि मरीज स्वाइन फ्लू के पूरी चपेट में आ जाने के बाद काफी विलम्ब से डॉक्टर के पास पहुंचता है तो वह भी मदद करने में असमर्थ रहता है। स्वाइन फ्लू बिगड़ जाने पर फेफड़े काम करना बंद कर देते हैं और रोगी की मृत्यु हो जाती है। अतः लोग सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार, तेज सिरदर्द और सांस लेने में परेशानी हो, तो चिकित्सक से अवश्य सलाह लें।